कार्यालय आयुक्त,
गन्ना एवं चीनी, उत्तर प्रदेश
17, न्यू बेरी रोड, डालीबाग, लखनऊ
दूरभाषः **0522–2204295, 2205310**, फैक्सः **0522–2204163**
टोल फ्री नम्बर **1800–121–3203**
Website: https://www.upcane.gov.in / E-mail: upcdrs@gmail.com
Facebook: https:/www.facebook.com/upcane
Twitter: https://www.twitter.com/canewebsite
Youtube: https://www.youtube.com/channel/ucewkr8bagsaawmex09fjong

प्रेस नोट

- **गन्ना विभाग ने वर्ष 2018–19 में संचालित जिला योजनान्तर्गत पेड़ी प्रबन्धन, बीज–भूमि उपचार एवं बायोफर्टीलाइजर के निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्व तरीके से पूर्ति कराई सुनिश्चित।**
- **पेड़ी प्रबन्धन के लक्ष्य का 25 प्रतिशत से अधिक की पूर्ति एक पख़वाड़े में ही हुई सम्भव।**
- **वर्तमान वर्ष में 1.15 लाख हेक्टे. बीज–भूमि उपचार का लक्ष्य तथा 71 हजार हेक्टे. बायोफर्टीलाइजर/वर्मी कम्पोस्ट के प्रयोग का लक्ष्य निर्धारित।**
- **गन्ने की उत्पादकता एवं चीनी परता में उत्तरोत्तर वृद्वि से गन्ना किसानों की आय दोगुनी किये जाने का मार्ग प्रशस्त।**

लखनऊ : 25 मई, 2018

गन्ना विभाग ने वर्ष 2018–19 में संचालित जिला योजनान्तर्गत पेड़ी प्रबन्धन, बीज–भूमि उपचार एवं बायोफर्टीलाइजर के निर्धारित लक्ष्यों की रिकार्ड तेजी के साथ पूर्ति कराना सुनिश्चित किया है।

इस वर्ष विभाग ने गन्ना विकास परिषदों के माध्यम से कुल 2.11 लाख हेक्टेयर पेड़ी प्रबन्धन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए रू.316.47 लाख बजट का प्राविधान भी कराया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक रू.17.63 लाख का व्यय किया जा

Scanned by CamScanner

चुका है और 53447 हेक्टेयर क्षेत्रफल की भौतिक पूर्ति भी करायी जा चुकी है। इस प्रकार पेड़ी प्रबन्धन के निर्धारित लक्ष्य का 25.3 प्रतिशत मात्र 15 दिन में ही पूरा हो गया हैं। इसी तरह वर्ष 2018–19 में 1.15 लाख हेक्टेयर बीज–भूमि उपचार हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया, जिसके सापेक्ष 8731 हेक्टेयर की पूर्ति अब तक करायी गयी है।

विभाग ने बायोफर्टीलाइजर/वर्मी कम्पोस्ट के प्रयोग का इस बार 71 हजार हेक्टेयर लक्ष्य निर्धारित किया, जिसके सापेक्ष 4757 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बायोफर्टीलाइजर/वर्मी कम्पोस्ट की पूर्ति करायी गयी है।

प्रदेश के गन्ना एवं चीनी आयुक्त श्री संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया कि विभाग में संचालित जिला योजनान्तर्गत पेड़ी प्रबन्धन, बीज–भूमि उपचार एवं बायोफर्टीलाइजर/वर्मी कम्पोस्ट की मदों में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप उपलब्धि से गन्ने की उत्पादकता एवं चीनी परता में उत्तरोत्तर वृद्वि तो होगी ही, गन्ना किसानों की आय भी दोगुनी किये जाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

———————————————————————————————

Scanned by CamScanner